विश्वविद्यालय द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में की गई महत्त्वपूर्ण पहलें

- विश्वविद्यालय द्वारा हिन्दी अधिकारी, हिन्दी अनुवादक, हिन्दी टंकक के पदों को भर लिया गया और इसके साथ ही विश्वविद्यालय में राजभाषा अनुभाग की स्थापना की गई।
- तत्कालीन कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) रणजीत सिंह (से.नि.) की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय की प्रथम राजभाषा कार्यान्वयन समिति गठित की गई। तदंतर नियमानुसार इस समिति की तिमाही बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जा रही हैं।
- राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार को ऑनलाइन तिमाही प्रगति रिपोर्ट प्रेषित करने हेतु विश्वविद्यालय का पंजीकरण करवाया गया। तदनंतर नियमित रूप से ऑनलाइन तिमाही प्रगति रिपोर्ट राजभाषा विभाग को प्रेषित की जानी प्रारंभ की गई।
- सभी नामपट्ट तथा साइन बोर्ड द्विभाषी रूप में तैयार करवाए गए।
- दिनांक 10-14 मार्च, 2014 को विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के लिए "कंप्यूटर पर हिन्दी में काम करना" विषय पर पाँच दिवसीय हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गई।
- सभी 16 आरटीआई मैनुअलों का हिन्दी में अनुवाद कर इन्हें विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड करवाया गया।
- विश्वविद्यालय की वेबसाइट की समस्त सामग्री का हिन्दी अनुवाद कर इसे पूर्ण रूप से द्विभाषी बनाया गया।
- विश्वविद्यालय के सूचना बुलेटिन का हिन्दी में अनुवाद किया गया।
- दिनांक 19-06-2014 को "हिन्दी में कार्यालयीन पत्राचार " विषय पर हिन्दी कार्यशाला चलाई गई।
- दिनांक 19-06-2014 को "संघ की राजभाषा नीति और उसका क्रियान्वयन " विषय पर राजभाषा संगोष्ठी आयोजित की गई।
- विश्वविद्यालय के शैक्षिक एवं प्रशासनिक भवनों के मुख्य द्वारों पर प्रतिदिन एक विचार हिन्दी में लिखकर प्रदर्शित करने की व्यवस्था की गई और नियमित रूप से प्रतिदिन एक विचार हिन्दी में लिखकर प्रदर्शित किया जाने लगा।